Title-code: UPHIN-48963
E-mail: jksingh.hardoi@gmail.com

सत्य का असर
समाचार पत्र

14,10,2023 jksingh.hardoi@gmail.com मोबाइल नंबर 9956834016

Top News **पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल**

आलू बुवाई हेतु अक्टूबर महीना सर्वोत्तम- डॉक्टर राम बटुक सिंह

पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल

>चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह द्वारा जारी निर्देश के क्रम में आज कल्याणपुर स्थित साग भाजी अनुभाग के प्रभारी एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉक्टर राम बटुक सिंह ने बताया कि सब्जियों में आलू का महत्वपूर्ण स्थान है।क्योंकि आलू को सब्जियों का राजा कहा गया है। डॉ सिंह ने बताया कि आलू में बहुत ही अच्छी मात्रा में पोषक तत्व उपलब्ध होते हैं जो स्वास्थ्य की दृष्टि से लाभकारी हैं। उन्होंने बताया कि आलू में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट,मिनरल और विटामिंस आदि पाए जाते हैं उन्होंने कहा कि आलू में लगभग 79% पानी तथा 17% कार्बोहाइड्रेट पाया जाता है सफेद आलू में विटामिन सी व पोटैशियम पर्याप्त मात्रा में होता है। उन्होंने कहा कि आलू का वैश्विक उत्पादन 356 मिलियन टन जबकि भारत में 45 मिलियन टन उत्पादन होता है डॉ सिंह ने बताया कि आलू की बुवाई का सबसे उचित समय अक्टूबर का महीना होता है।साथ ही किसानों को सलाह दी है कि बुवाई हेतु आलू को कोल्ड स्टोर से एक-दो हफ्ते पहले निकाल कर बाहर रख लें तत्पश्चात बीजों को शोधित करने के उपरांत बुवाई कर दें। जिससे रोग लगने की संभावना कम रहती है अगेती प्रजाति जैसे कुफरी चंद्रमुखी, कुफरी ज्योति, कुफरी बाहर मध्यम प्रजातियां जैसे कुफरी सिंदूरी, कुफरी लालिमा एवं पछेती प्रजातियां जैसे कुफरी जवाहर एवं कुफरी बादशाह इत्यादि हैं। डॉ सिंह ने बताया कि यदि किसान वैज्ञानिक विधि से आलू की खेती करते हैं तो 20 से 30 कुंतल प्रति हेक्टेयर तक उत्पादन प्राप्त होगा।

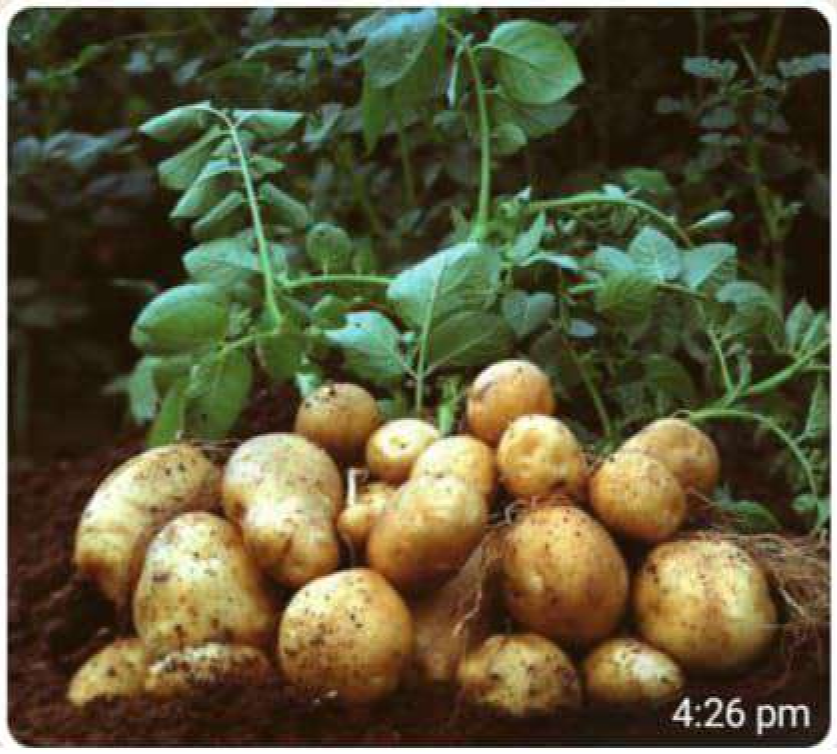

हिंदुस्तान 14/10/2023

सीएसए के लिए 1.12 करोड़ रुपये स्वीकृत

लखनऊ। सीएसए में बिजली व्यवस्था में सुधार को एक करोड़ 12 लाख स्वीकृत हुए हैं। मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने बताया कि वित्तीय वर्ष में नवीन मांग के लिए प्रावधानित धनराशि 224.70 लाख रुपये में से प्रथम किस्त जारी कर दी गई है।

दैनिक कानपुर उजाला 14/10/2023

आलू बुवाई हेतु अक्टूबर महीना सर्वोत्तम–डॉक्टर राम बटुक सिंह

दैनिक कानपुर उजाला

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह द्वारा जारी निर्देश के क्रम में कल्याणपुर स्थित साग भाजी अनुभाग के प्रभारी एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉक्टर राम बटुक सिंह ने बताया कि सब्जियों में आलू का महत्वपूर्ण स्थान है।क्योंकि आलू को सब्जियों का राजा कहा गया है। उन्होंने बताया कि आलू में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, मिनरल, विटामिंस और लगभग 79 प्रतिशत पानी तथा 17 प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट पाया जाता है सफेद आलू में विटामिन सी व पोटैशियम पर्याप्त मात्रा में होता है। उन्होंने कहा कि आलू का वैश्विक उत्पादन 356 मिलियन टन जबकि भारत में 45 मिलियन टन उत्पादन होता है डॉ सिंह ने बताया कि आलू की बुवाई का सबसे उचित समय अक्टूबर का महीना होता है। साथ ही किसानों को सलाह दी है कि बुवाई हेतु आलू को कोल्ड स्टोर से एक-दो हफ्ते पहले निकाल कर बाहर रख लें तत्पश्चात बीजों को शोधित करने के उपरांत बुवाई कर दें।

आलू में पाया जाता है 9 फीसदी पानी व 17 फीसदी कार्बोहाइड्रेट

कानपुर, 13 अक्टूबर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह की ओर से जारी निर्देश के क्रम में आज कल्याणपुर स्थित साग भाजी अनुभाग के प्रभारी एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉक्टर राम बटुक सिंह ने बताया कि सब्जियों में आलू का महत्वपूर्ण स्थान है।क्योंकि आलू को सब्जियों का राजा कहा गया है। डॉ सिंह ने बताया कि आलू में बहुत ही अज्छी मात्रा में पोषक तत्व उपलब्ध होते हैं जो स्वास्थ्य की दृष्टि से लाभकारी हैं। उन्होंने बताया कि आलू में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, मिनरल और विटामिंस आदि पाए जाते हैं उन्होंने कहा कि आलू में लगभग 79 प्रतिशत पानी तथा 17 प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट पाया जाता है सफेद आलू में विटामिन सी व पोटैशियम पर्याप्त मात्रा में होता है। उन्होंने कहा कि आलू का वैश्विक उत्पादन 356 मिलियन टन जबकि भारत में 45 मिलियन टन उत्पादन होता है डॉ सिंह ने बताया कि आलू की बुवाई का सबसे उचित समय अक्टूबर का महीना होता है।साथ ही किसानों को सलाह दी है कि बुवाई हेतु आलू को कोल्ड स्टोर से एक-दो हफ्ते पहले निकाल कर बाहर रख लें तत्पश्चात बीजों को शोधित करने के उपरांत बुवाई कर दें। जिससे रोग लगने की संभावना कम रहती है अगेती प्रजाति जैसे कुफरी चंद्रमुखी, कुफरी च्योति, कुफरी बाहर मध्यम प्रजातियां जैसे कुफरी सिंदूरी, कुफरी लालिमा एवं पछेती प्रजातियां जैसे कुफरी जवाहर एवं कुफरी बादशाह इत्यादि हैं। डॉ सिंह ने बताया कि यदि किसान वैज्ञानिक विधि से आलू की खेती करते हैं तो 20 से 30 कुंतल प्रति हेक्टेयर तक उत्पादन प्राप्त होगा।

आलू बुवाई के लिए अक्टूबर महीना सर्वोत्तम : वैज्ञानिक

आलू बुवाई हेतु अक्टूबर महीना सर्वोत्तम- डॉक्टर राम बटुक सिंह

दि ग्राम टुडे, कानपुर।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह द्वारा जारी निर्देश के क्रम में आज कल्याणपुर स्थित साग भाजी अनुभाग के प्रभारी एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉक्टर राम बटुक सिंह ने बताया कि सब्जियों में आलू का महत्वपूर्ण स्थान है।क्योंकि आलू को सब्जियों का राजा कहा गया है। डॉ सिंह ने बताया कि आलू में बहुत ही अच्छी मात्रा में पोषक तत्व उपलब्ध होते हैं जो स्वास्थ्य की दृष्टि से लाभकारी हैं। उन्होंने बताया कि आलू में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट,मिनरल और विटामिंस आदि पाए जाते हैं उन्होंने कहा कि आलू में लगभग 79त्र पानी तथा 17त्र कार्बोहाइड्रेट पाया जाता है सफेद आलू में विटामिन सी व पोटैशियम पर्याप्त मात्रा में होता है। उन्होंने कहा कि आलू का वैश्विक उत्पादन 356 मिलियन टन जबकि भारत में 45 मिलियन टन उत्पादन होता है डॉ सिंह ने बताया कि आलू की बुवाई का सबसे उचित समय अक्टूबर का महीना होता है।साथ ही किसानों को सलाह दी है कि बुवाई हेतु आलू को कोल्ड स्टोर से एक-दो हफ्ते पहले निकाल कर बाहर रख लें तत्पश्चात बीजों को शोधित करने के उपरांत बुवाई कर दें। जिससे रोग लगने की संभावना कम रहती है अगेती प्रजाति जैसे कुफरी चंद्रमुखी, कुफरी ज्योति, कुफरी बाहर मध्यम प्रजातियां जैसे कुफरी सिंदूरी, कुफरी लालिमा एवं पछेती प्रजातियां जैसे कुफरी जवाहर एवं कुफरी बादशाह इत्यादि हैं। डॉ सिंह ने बताया कि यदि किसान वैज्ञानिक विधि से आलू की खेती करते हैं तो 20 से 30 कुंतल प्रति हेक्टेयर तक उत्पादन प्राप्त होगा।

जानकारी उपलब्ध कराएंगे। (संवाद)

अमर उजाला 14/10/2023

सीएसए के लिए 112.35 लाख स्वीकृत, विद्युत व्यवस्था के होंगे काम

लखनऊ। प्रदेश के कृषि, कृषि शिक्षा तथा कृषि अनुसंधान मंत्री सूर्यप्रताप शाही ने बताया है कि चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर के लिए 112.35 लाख रुपये की वित्तीय स्वीकृति जारी कर दी गई है। इससे विश्वविद्यालय की विद्युत व्यवस्था में सुधार कार्य होंगे। यह पहली किस्त है। (ब्यूरो)

हिंदी दैनिक
यूपी मैसेंजर
जनता की आवाज
लखनऊ से प्रकाशित

आलू बुवाई हेतु अक्टूबर महीना सर्वोत्तम. डॉ राम बटुक

यूपी मैसेंजर संवाददाता

कानपुर । सीएसए के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह द्वारा जारी निर्देश के क्रम में कल्याणपुर स्थित साग भाजी अनुभाग के प्रभारी एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉक्टर राम बटुक सिंह ने बताया कि सब्जियों में आलू का महत्वपूर्ण स्थान है।क्योंकि आलू को सब्जियों का राजा कहा गया है। डॉ सिंह ने बताया कि आलू में बहुत ही अच्छी मात्रा में पोषक तत्व उपलब्ध होते हैं जो स्वास्थ्य की दृष्टि से लाभकारी हैं। उन्होंने बताया कि आलू में प्रोटीनए कार्बोहाइड्रेटएमिनरल और विटामिंस आदि पाए जाते हैं उन्होंने कहा कि आलू में लगभग 79 पानी तथा 17 कार्बोहाइड्रेट पाया जाता है सफेद आलू में विटामिन सी व पोटैशियम पर्याप्त मात्रा में होता है।

उन्होंने कहा कि आलू का वैश्विक उत्पादन 356 मिलियन टन जबकि भारत में 45 मिलियन टन उत्पादन होता है डॉ सिंह ने बताया कि आलू की बुवाई का सबसे उचित समय अक्टूबर का महीना होता है।

साथ ही किसानों को सलाह दी है कि बुवाई हेतु आलू को कोल्ड स्टोर से एक दो हफ्ते पहले निकाल कर बाहर रख लें तत्पश्चात बीजों को शोधित करने के उपरांत बुवाई कर दें। जिससे रोग लगने की संभावन।

अमर उजाला 05

सीएसए तैयार करेगा मोटे अनाजों के बीज

माई सिटी रिपोर्टर

10 हेक्टेयर में उगाई जा रही सावा और कंगनी की फसल, अगले साल से मिल सकेंगे उन्नत बीज

मोटे अनाज की अधिक पैदावार के लिए वैज्ञानिक रिसर्च भी करेंगे

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि में अब मोटे अनाजों के बीज भी तैयार किए जाएंगे। करीब 22 साल बाद बीज तैयार किए जाएंगे। वैज्ञानिकों ने मोटे अनाज की अलग-अलग फसलों की बुआई भी कर दी है। 10 हेक्टेयर खेत में सावा व कंगनी की फसल की बुआई की गई है। अब किसानों को अगले साल से उन्नत बीज मिल सकेंगे। अभी तक सिर्फ ज्वार व बाजरा की ही बुआई हो रही थी। मोटे अनाज की अधिक पैदावार के लिए वैज्ञानिक रिसर्च भी करेंगे।

सीएसए के अलावा एचबीटीयू सहित अन्य विवि में मोटे अनाज का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। एचबीटीयू में मिलेट्स का आउटलेट खोला गया है। सीएसजेएमयू के मेस में मोटे अनाज से बने व्यंजनों को शामिल किया गया है। किसानों को मोटे अनाज की पैदावार में नुकसान न हो, इसके लिए सीएसए के वैज्ञानिकों ने उत्कृष्ट बीज तैयार करना शुरू कर दिया है। अलग-अलग जलवायु व मिट्टी के अनुसार उत्कृष्ट पैदावार देने वाले मोटे अनाज की बुआई की गई है। इनकी पैदावार के बाद वैज्ञानिक रिसर्च शुरू करेंगे।

बीज एवं प्रक्षेत्र के निदेशक डॉ. विजय कुमार यादव ने बताया कि मोटे अनाज के प्रति लोगों का नजरिया बदल रहा है। ऐसे में धान, गेहूं, दलहन व तिलहन की तरह किसानों को उत्कृष्ट बीज उपलब्ध कराने के लिए विवि ने प्रथम चरण में 10 हेक्टेयर में बुआई की है। कई वर्षों पूर्व किसानों के बीच मोटे अनाज की मांग खत्म होने से विवि ने भी बीज तैयार करना बंद कर दिया था।

हिंदुस्तान 14/10/2023

22 साल बाद मोटे अनाज के बीज तैयार कर रहा सीएसए

कानपुर, प्रमुख संवाददाता। 22 साल बाद मोटे अनाज के बीज भी तैयार होंगे। सीएसए के वैज्ञानिकों ने मोटे अनाज की अलग-अलग फसलों की बुआई की है। वैज्ञानिकों ने 10 हेक्टेयर खेत में सावा और कंगनी की फसल लगाई है। अभी तक सिर्फ ज्वार और बाजरा की ही बुआई हो रही थी। बीज उपलब्ध कराने के बाद वैज्ञानिक अधिक पैदावार मोटे अनाज की प्रजातियां विकसित को शोध शुरू करेंगे।

पीएम नरेंद्र मोदी, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की ओर से मोटे अनाज को दिए जा रहे बढ़ावे के बाद किसानों में उत्सुकता है। विवि ने 22 जिलों में फैले फॉर्म पर अलग-अलग जलवायु और मिट्टी के अनुसार उत्कृष्ट पैदावार देने वाले मोटे अनाज की बुआई की है। विवि के बीज एवं प्रक्षेत्र के निदेशक डॉ. विजय कुमार यादव ने बताया मोटे अनाज के प्रति लोगों का नजरिया बदल रहा है। किसानों को उत्कृष्ट बीज उपलब्ध कराने को 10 हेक्टेयर में बुआई की है।

Sign in to edit and save changes to this file.

अंक-217 कानपुर, शनिवार 14 अक्टूबर 2023 पृष्ठ-8

दैनिक

आज का कानपुर

कानपुर से प्रकाशित लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हमीरपुर, मौदहा, बांदा, फतेहपुर, प्रयागराज, इटावा, कन्नौज, गाजीपुर, कानपुर देहात, सुल्तानपुर, अमेठी, बहराइच में प्रसारित

आलू बुवाई हेतु अक्टूबर महीना सर्वोत्तम-डॉक्टर राम बटुक सिंह

आज का कानपुर

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह द्वारा जारी निर्देश के क्रम में आज कल्याणपुर स्थित साग भाजी अनुभाग के प्रभारी एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉक्टर राम बटुक सिंह ने बताया कि सब्जियों में आलू का महत्वपूर्ण स्थान है।क्योंकि आलू को सब्जियों का राजा कहा गया है। डॉ सिंह ने बताया कि आलू में बहुत ही अच्छी मात्रा में पोषक तत्व उपलब्ध होते हैं जो स्वास्थ्य की दृष्टि से लाभकारी हैं। उन्होंने बताया कि आलू में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट,मिनरल और विटामिंस आदि पाए जाते हैं उन्होंने कहा कि आलू में लगभग 79 प्रतिशत पानी तथा 17 प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट पाया जाता है सफेद आलू में विटामिन सी व पोटैशियम पर्याप्त मात्रा में होता है। उन्होंने कहा कि आलू का वैश्विक उत्पादन 356 मिलियन टन जबकि भारत में 45 मिलियन टन उत्पादन होता है डॉ सिंह ने बताया कि आलू की बुवाई का सबसे उचित समय अक्टूबर का महीना होता है।